



(2)

(2) नाम की पूरा बता केव्यपारो :-

श्री हरगोविन्द राम पिता का नाम श्री रामचन्द्र राम कामर जाति बुझाव साविन पौवा खरल जलां, पो० कहरत बुई, थाना किरापुर, जिला-मलापु, पेशा-गृहस्थी, राष्ट्रीयता- भारतीय ।

(3) केव्य प्रकार :- केवाला विद्वय - पन ।

(4) वर सम्पन :- पो० 75,000/- (पञ्चतर हजार रुपये ।

वाजार मुक्य :- पो० 1,91,000/- (एक लाख एकानवे हजार) रुपये ।

(5) स्पर्ति :-

पवाजी 0-06 (दः हीसपील)वनीन जावातीय बकान बनाने के लिये बन्दर पौवा बाराजोटा थाना-पेदिनीनगर, जिला-मलापुजिला रशिक्षी औपिकस पौवाप पेदिनीनगर, जिला-मलापु लम्बित देवती पैतृक एक ठाकिल है जिसका माई प्लोट लाल अपने विस्वा का विक्री करी है :- विद्वय मुधि का नक्का लाल में लालनी । जो इस दस्तावेज का अभिन्नवर्ग है ।

No-4-3
Kishan

Kishan
H. K. Sharma
22/11/20



(4)

विधान को ही मान ली है।

किन्तु तब सेव्यकारी को पैसा का कत
 अर्थात् वाले अतीवने अपने आव में कतिन का है जो
 विना कतीन विही लिये पैसा का अंशान लीना सुविधा
 होइत तब सेव्यकारी लोन कतकर माना में पाँच ले
 सम्पति को सेव्यकारी के लय विही करते है जो अल्पमन
 का लयमा सेव्यकारी रविच्छी के पहले ही वसुल पा लो
 है।

Handwritten notes in Hindi:
 1. 2000-02
 2. 2000-02

सेव्यकारी को बाछि कि उका सम्पति
 पर हुब पय वारीलान कायन रह कर वीन कोइ किया
 को और इसके अन्वयनी पैदावार कोअने पतरफ में जोवे
 को इस सेवाता को अंतत कायतिव पेदिनी कार पे पैसा का
 विवाहि रविष्टर में अना नाव र्वी अना का लाना
 तमान अना का वातुकारी रतीर हाकिम किया करे।

अब ल उक्त सम्पति पर को नी एक
 अधिकार को कत कया सेव्यकारी को प्राप्त है, अत्र
 पे अतीवत को प्राप्त हुआ और कत कया में जोवे।
 इन सम्पति के सेव्यकारी को उके वारीलान को कोई
 वास्ता लोकार ली रहा और न जोइना होगा।

₹ 5000

₹ 5000

भारत

पाच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES



100540

श्रीमती देवी शिव (पु. ट. ३०२)
श्रीमती प. र्. लोणीया अहमदाबाद
श्री देवी देव...

(1) नाम वी पूरा नाम केवळार्थ -

श्रीमती देवी शिव (पु. ट. ३०२) वी
श्रीमती प. र्. लोणीया अहमदाबाद
श्री देवी देव...



(2)

(2) नाम वी झा का केलवार्ड :-

श्री इरमोविन्द राम पिता का नाम श्री रामचन्द्र राम
 राम्य भाति दुलान भाविन बीमा मल्ल का,
 नो० कहरा दुर्ग, थाना किामपुर, जिला-पलामु, पेशा-
 गृहस्थी, राष्ट्रीयता- भारतीय ।

(3) कैल प्रकार :- केवला विप्य - प- ।

(4) वास्तुपन :- री० 75,000/- (पञ्चस्र हजार रुपये ।

वास्तुपन :- री० 1,91,000/- (दोस्र लाख रुकानये
 हजार रुपये ।

(5) स्वपति :-

मवादी ०-०६ (दः हीसोस)वर्गिन आवासीय मवात
 इतानि के लिये बन्दर बीमा भारतीयता जास-
 मेदिनी-मर, जिला-पलामुजिला रशिक्षी प्रोक्तिर बीमान
 मेदिनी-मर, जिला-पलामु रशिक्षी रैपणे पैलु एक शास्त्र
 है जिला बाई पदोदकान वपी लिस्वा वा विक्री
 करणे है :- विप्य मुनि का रुका वा रै के लिये ।
 वी इम इस्वाके का प्रविन्तवर्ग है ।

1000
 1000

1000
 1000